Siddharth University Kapilvastu, Siddharthnagar

विस्तार गतिविधियाँ

माननीय कुलाधिपति महोदया आनंदी बेन पटेल के दृष्टिकोण से, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु समय-समय पर माननीय महोदया द्वारा सुझाए गए विस्तार गतिविधियों में लगा हुआ है। चूंकि विश्वविद्यालय ने अपने अस्तित्व के सात साल पूरे कर लिए हैं, इसलिए शुरुआत में मुख्य ध्यान शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचा तैयार करना था। विस्तार गतिविधियों का उद्देश्य हमारे छात्रों/स्वयंसेवकों को सामाजिक जिम्मेदारियां विकसित करने और कार्य करके सीखने में सक्षम बनाना है। किसी भी पेशेवर को अपनी नौकरी में फलने-फूलने के लिए सेवा भाव आवश्यक है। हमारी विस्तार गतिविधियों के कई आयाम हैं जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना, सड़क सुरक्षा कार्य, उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, जल संचयन अभियान, वृक्षारोपण अभियान, जनसंख्या वृद्धि उन्मूलन अभियान आदि। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु द्वारा संचालित विस्तार गतिविधियों की सूची

S.No	Name of Activity	Name of Scheme	Date& Year
1.	Women Empowerment Programme	Community	09/12/2020
2.	Mahila Shashaktikaran mein Helpline ki Bhoomika	Extension	01/03/2021
3	Awareness Camp -Food and Nutrition for Girls	Extension	02/03.2021
4.	Awareness Programme on Laws related to Women	Extension	03/03/2021
5.	Child Sexual Abuse and POCSO Act	Community	05/03/2021
6.	Balikaon evam Mahilaon hetu paramarsh Satr	Extension	06/03/2021
7.	Awareness Rally on Personal Health and good habits	Extension	07/03/2021
8.	International Women Day- Tulsi plants distributed to Women	Extension	08/03/2021

9	Taekwando Training for Girls	Awareness Programme	09/03/2021
10.	Programme on Gender Equality	Extension	27/08/2021
11	Women empowerment Opportunities and Challenges	Extension	28/08/2021
12	Laingik Samanata evam Poshan	Extension	04/09/2021
12	Health Camp at rural Area	Extension	15/09/2021
13	Legal Aid Programme	Extension	12/11/2021
14	Chuppi Todo Khul Kar Bolo	Counselling	20/11/2021
15	Awareness Programme on International Human Rights Day	Extension	10/12/2021
16	Yoga For Better health- Nirbhaya Diwas	Extension	16/12/2021
17	Arts Formation- rangoli	Community	26/01/2022
18	Respecting Women as a co worker- International Women Day	Community	08/03/2022
19	Embroidery Camp for Girls	Extension	15/03/2022
20	MOU Signed with Heritage Society Patna	Extension	20/03/2022
21	Programme on Baba Sahab Bhimrao Ambedkar- Rangoli, Poster and essay	Extension	14/04/2022
22	Heritage walk	Extension	18/04/2022
23	Desh ki ekta evam Akhandata mein Civil Seva ki Bhoomika	Awareness and Extension	21/04/2022
24	Cleanliness programme on Earth Day	Extension	22/04/2022
25	Rally on Remembering the freedom fighters of 1857	Extension	10/06/2022
26	Rani Lakshmi Bai Martyr Day	Community	18/06.2022
27	Yog prashikshan shivir	Extension	21/06/2022
28	Jansankhya Visfot evam khadyan suraksha	Extension	11/07/2022
29	Flag Day- The basic features of Indian Flag	Extension	23/07/2022
30	Vishva Stanpan Saptah- Vividh Karyakram	Extension	01/08/2022
31	Har Ghar Tiranga Karyakram	Extension	17/08/2022

32	Awareness Camp on Nutrition and food	Extension	01/08/2022
33	Ek Bharat Shresth Bharat- Many programmes organised	Extension	26/09/2022
34	Constitution Day	Community	26/11/2022
35	Heritage week	Extension	19/11/2022
36	Law Day- Rally for legal Awareness	Extension	26/11/2022
37	Signing MOU with Lumbini Buddhist University , Nepal	Extension	12/12/2022
38	Global Science for Global Welbeing	Extension	28/02/2023
39	International Women Day- Programme at Villages	Extension	08/03/2023
40	MOU Signed with AMPRI, Bhopal	Extension	03/2022
41	Yoga Day celebration at Various Places	Extension	21/06/2023
42	Aid to Aganwadi	Extension	2022-23
43	Faculty with Hon'ble VC, Registrar and Finance Officer attended NAAC Manthan, Shiksha Manthan and Workshops at Governor House.	Extension	2022,2023

Siddharth University Kapilvastu

Picture Gallery

Aid to Aganwadi By Hon’ble Governor Madam Anandi Ben Patel

Distributing Tricycle

Distributing Blackboard

Distributing Chair

Madam on Dias

Hon’ble Madam

Kits for distribution

Signing of MOU’s – The Extention of education

MOU Signing ceremony at Lumbini Buddhist University, Nepal

Token of love to Vice Chancellor Lumbini Buddhist University by Hon'ble VC Siddharth University Prof. Hari Bahadur Srivastava

Awareness Camps-

Awareness Camp at Village Bohrawa

बढ़ती जनसंख्या विकास में बाधा : नीता

कपिलवस्तु (एसएनबी)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के समीप स्थित पिपरहवा गांव में जनसंख्या नियंत्रण पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत गांव में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्राचीन इतिहास विभाग की आचार्य एवं महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डा. नीता यादव ने कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक जनसंख्या विकास के मार्ग में बड़ी बाधा है। गांव में व्यवसाय एवं रोजगार के साधनों की कमी रहती है, उस अनुपात में जनसंख्या सर्वाधिक है। शिक्षा के अभाव के कारण भी और अपने भविष्य को लेकर बहुत सचेत न रहने के कारण भी ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या विगत कुछ वर्षों में निरंतर बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ग्राम वासियों को निश्चित रूप से जनसंख्या नियंत्रण पर गंभीरता से विचार करना होगा। विशेष रूप से महिलाओं को इस हेतु प्रशिक्षण दिया जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। शासन स्तर पर भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही शिक्षण संस्थाओं और बौद्धिक जगत का भी यह दायित्व होना चाहिए कि अपने आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार की समसामयिक समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को जागरूक किया जाय। जनसंख्या नियंत्रित होने से सरकार की तरफ से उपलब्ध संसाधन और प्रातिक संसाधनों का अनुपातिक उपयोग संभव हो पाएगा और और विकास के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। जागरूक महिलाएं उन्नत गांव की धुरी बन सकेंगी। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की डा. सुनीता त्रिपाठी, डा. रेनू त्रिपाठी सहित ग्राम प्रधान कैलाशी देवी तथा गांव की महिलाएं उपस्थित रही।

सिविवि की महिला अध्ययन केंद्र द्वारा पिपरहवा गांव में किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम

महिलाओं को जनसंख्या नियंत्रण के प्रति किया गया जागरूक

महिलाओं को संबोधित करती डा. नीता यादव। फोटो : एसएनबी

बढ़ती हुई जनसंख्या विकास के मार्ग में बढ़ी बाधा है : डॉ. नीता यादव

यूथ इण्डिया संवाददाता

सिद्धार्थ नगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के समीप स्थित पिपरहवा गांव में जनसंख्या नियंत्रण पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत गांव में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्राचीन इतिहास विभाग की आचार्य एवं महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ नीता यादव ने कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक जनसंख्या विकास के मार्ग में बड़ी बाधा है। गांव में व्यवसाय एवं रोजगार के साधनों की कमी रहती है, उस अनुपात में जनसंख्या सर्वाधिक है। शिक्षा के अभाव के कारण भी और अपने भविष्य को लेकर बहुत सचेत न रहने के कारण भी ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या विगत कुछ वर्षों में निरंतर बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ग्राम वासियों को निश्चित रूप से जनसंख्या नियंत्रण पर गंभीरता से विचार करना होगा। विशेष रूप से महिलाओं को इस हेतु प्रशिक्षण दिया जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। शासन स्तर पर भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही शिक्षण संस्थाओं और बौद्धिक जगत का भी यह दायित्व होना चाहिए कि अपने आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार की समसामयिक समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को जागरूक किया जाय। जनसंख्या नियंत्रित होने से सरकार की तरफ से उपलब्ध संसाधन और प्राकृतिक संसाधनों का अनुपातिक उपयोग संभव हो पाएगा और और विकास के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। जागरूक महिलाएं उन्नत गांव की धुरी बन सकेंगी।

- सिविवि की महिला अध्यान केंद्र द्वारा पिपरहवा गांव में किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन
- महिलाओं को जनसंख्या नियंत्रण के प्रति किया गया जागरूक

News and media coverage

Webinars

गरण

महिलाओं की भागीदारी बगैर राष्ट्र निर्माण संभव नहीं

सिविवि : महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में हुआ व्याख्यान

जागरण सिद्धार्थनगर : उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद में इतिहास विभाग की पूर्व अध्यक्ष व महिला अध्ययन केंद्र की पूर्व निदेशक प्रो. रेखा पांडेय ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बगैर राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता मानवाधिकार का एक प्रमुख हिस्सा है। स्वाभाविक रूप से भी राष्ट्र निर्माण में महिला और पुरुष की भागीदारी अपरिहार्य है। स्त्री पुरुष समानता तथाकथित मानव समाज की ओर से निर्मित की गई है। दुनिया ने विशेषकर भारत ने लंबे समय तक इसका दुष्परिणाम भी झेला है। कन्या भ्रूण हत्या भारत में लैंगिक असमानता का प्रमुख उदाहरण है। केंद्र और राज्य की सरकारें इसे रोकने के लिए कानून भी बनाया है। समाज भी जागरूक हुआ है। देश में पितृसत्तात्मक व्यापक रही है फिर भी मातृसत्तात्मक के भी अनेक उदाहरण मिलते हैं।

उन्होंने यह बातें शुक्रवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की ओर से हुए आनलाइन व्याख्यान में कहीं। व्याख्यान का विषय लैंगिक समानता रहा। उन्होंने कहा भारत के समाज व्यवस्था में प्राचीन काल से ही स्त्री व पुरुष की समानता की बात मिलती है। महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी का हक देते हुए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की प्रवृत्ति तीव्र गति से विकसित हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जिस रूप में महिलाएं खेतों में पुरुषों से अधिक बढ़ चढ़कर कार्य करती हैं। यह समाज के लिए लैंगिक समानता का अनुकरणीय उदाहरण है। बालकों के साथ बालिका की शिक्षा पर भी समाज में आगे बढ़ा है। सरकार ने भी महिला शिक्षा के साथ रोजगार क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराएं हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हरीश शर्मा ने कहा कि 21वीं सदी में भारत ने अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसमें महिलाओं के प्रति बदलती हुई सोच भी महत्वपूर्ण भूमिका है। संचालन विधि में महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डा. नीता यादव ने किया। डा. वंदना गुप्ता, डा. अविनाश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

आनलाइन व्याख्यान में उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक • जागरण

कार्यक्रम

- लैंगिक समानता विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार
- सभी ने की कन्या भ्रूण हत्या की कड़े शब्दों में निंदा

S

लैंगिक समानता सभी का मानवाधिकार

वॉयस ऑफ शताब्दी

व्याख्यान

शुक्रवार को सिद्धार्थ विवि में लैंगिक समानता पर आनलाइन व्याख्यान

सिद्धार्थनगर, बर्डपुर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में लैंगिक समानता विषय पर शुक्रवार को ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद की इतिहास विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं महिला अध्ययन केंद्र के पूर्व निदेशक प्रो. रेखा पांडेय ने कहा कि भारत के समाज व्यवस्था में प्राचीन काल से ही स्त्री-पुरुष की समानता की बात कही गई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता मानवाधिकार का एक प्रमुख हिस्सा है। स्वाभाविक रूप से भी राष्ट्र निर्माण में महिला और पुरुष की भागीदारी अपरिहार्य है।उन्होंने कहा कि महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी का हक देते हुए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की प्रवृत्ति तीव्र गति से विकसित हुई है। कन्या भ्रूण हत्या भारत में लैंगिक असमानता का प्रमुख उदाहरण है। केंद्र और राज्य की सरकारें इस हेतु कानून के माध्यम से रोकने का प्रयास किया है। पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों की संख्या कम है। इस लिंगानुपात को सुदृढ़ करना किसी भी व्यवस्थित और विकसित समाज की अपरिहार्य कड़ी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हरीश शर्मा ने कहा कि 21वीं सदी में भारत ने अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। महिलाओं के प्रति बदलती हुई सोच भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पढ़े लिखे समाज के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी राष्ट्र की मुख्य धारा में महिलाओं को जोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ी है। भारत में स्त्रियों और महिलाओं की उन्नति को लेकर अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रस्तावना सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में मिशन शक्ति एवं महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन डॉ. वंदना गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मिशन शक्ति एवं महिला अध्ययन केंद्र की सभी सदस्य उपस्थित रहीं।

08:58 71%

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे निकल रहीं : अंजू

फुटहवाइनार। शहीद बंधू सिंह डिग्री कॉलेज करमहां में मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस व्याख्यान के मुख्य विषय महिला सशक्तिकरण के नए आयाम पर बोलते हुए राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं गोरखपुर महानगर की पूर्व महापौर अंजू चौधरी ने महिला आयोग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे निकल रहीं हैं। मुख्य अतिथि गोविवि की प्रो.दिव्यारानी सिंह ने महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित पहलुओं एवं कानूनों की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की विभागाध्यक्ष एवं मिशन शक्ति तथा महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान एवं सरकारी प्रयासों विस्तार से समझाया। संवाद

Share Edit Delete

मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित

फुटहवाइनार 9 अक्टूबर,शनिवार। शहीद बंधू सिंह डिग्री कॉलेज करमहां में मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य विषय महिला सशक्तिकरण के नए आयाम पर बोलते हुए राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं गोरखपुर महानगर की पूर्व महापौर श्रीमती अंजू चौधरी ने महिला आयोग की उपयोगिता सक्रियता एवं सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमो की बिंदुवार व्याख्या करते हुए कहा कि अब महिलाओं को उनके शक्ति और अधिकारों की रक्षा हेतु सरकार द्वारा चलाया जा रहे कार्यक्रमों एवम प्रयासों के प्रतिफल मिलने शुरू हो गए हैं।सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपने शक्ति और कौशल का लोहा मनवाया है। मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष एवं महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो.दिव्यारानी सिंह ने महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महिलाओ की सुरक्षा से संबंधित पहलुओं एवं कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने महिला हेल्पलाइन सहित सुरक्षा से संबंधित कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में प्राचीन इतिहास,संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की विभागाध्यक्ष एवं मिशन शक्ति तथा महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान एवं सरकारी प्रयासों को विस्तार से समझाया। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू.पी. सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति के अंतर्गत चलाये जा रहे प्रत्येक कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता निरंतर रहती है। कार्यक्रम का संचालन,अतिथियों का स्वागत एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू.पी.सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षको,विद्यार्थियों एवं भारी संख्या में अभिभावकों ने इस व्याख्यान में सहभागिता की।

महिलाओं ने अपने शक्ति व कौशल का लोहा मनवाया

चौरीचौरा | हिन्दुस्तान संवाद

शहीद बंधू सिंह डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत नारी सशक्तिकरण पर शनिवार को ऑनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ। व्याख्यान के मुख्य विषय महिला सशक्तिकरण के नए आयाम पर बोलते हुए राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष व पूर्व महापौर अंजू चौधरी ने महिला आयोग की उपयोगिता, सक्रियता व सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की बिंदुवार व्याख्या की।

उन्होंने कहा कि अब महिलाओं को उनके शक्ति व अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा चलाया जा रहे कार्यक्रमों व प्रयासों के प्रतिफल मिलने शुरू हो गए हैं। सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपने शक्ति व कौशल का लोहा मनवाया है। मुख्य अतिथि डीडीयू विश्वविद्यालय में गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष व महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. दिव्यारानी सिंह ने महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित पहलुओं व कानूनों की जानकारी दी।

उन्होंने महिला हेल्पलाइन समेत सुरक्षा से संबंधित कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की विभागाध्यक्ष एवं मिशन शक्ति तथा महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान एवं सरकारी प्रयासों को विस्तार से समझाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू.पी. सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति के तहत चलाये जा रहे प्रत्येक कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता निरंतर रहती है।

इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से डॉ कुमुद त्रिपाठी, डॉ बबिता सिंह, डॉ [illegible] सिंह, डॉ. स्वर्णा रानी, डॉ. निवेदिता पांडेय, प्रीति, [illegible] गौतम तथा सभी विद्यार्थियों ने [illegible] के [illegible] प्रसारित [illegible] व्याख्यान में सहभागिता की।

नारी सशक्तिकरण पर ऑनलाइन व्याख्यान में अपने विचार रखते वक्ता।

ऑनलाइन व्याख्यान

- शहीद बन्धू सिंह डिग्री कॉलेज में नारी सशक्तिकरण पर ऑनलाइन व्याख्यान हुआ
- महिला सशक्तिकरण के नए आयाम विषय पर वक्ताओं ने रखे अपने विचार

Programmes at School level- Attending functions

2 दैनिक जागरण गोरखपुर, 28 मई, 2022

इतिहास के पाठ्यक्रम में शामिल होगी कपिलवस्तु की कथा

जासं, सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विवि के प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के नए पाठ्यक्रम में दो नए प्रश्नपत्र जुड़ेंगे। इतिहास में नारियों के योगदान व उनकी भूमिका के संबंध में शिक्षा दी जाएगी। कपिलवस्तु के पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा। गौतम बुद्ध से जुड़े नगरों की भी पढ़ाई होगी। छात्रों को गौतम बुद्ध के जीवन और कपिलवस्तु की कथा बताई जाएगी। नेपाल व भारत में गौतम बुद्ध से संबंधित समग्र इतिहास को समाहित किया जाएगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने नई शिक्षा नीति में नए सिरे से पाठ्यक्रम का निर्धारण किया गया है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें दो नए पेपर जोड़े गए हैं, जो सिद्धार्थनगर जनपद के लिए व प्राचीन भारतीय संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण पेपर है। पहले प्रश्नपत्र में नारियों के विभिन्न योगदान एवं भूमिकाएं विषय है। दूसरे प्रश्नपत्र में कपिलवस्तु की पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा।

प्राचीन इतिहास की विभागाध्यक्ष डा. नीता यादव ने बताया कि प्राचीन इतिहास संस्कृति के पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया गया है। दो नए प्रश्नपत्र जोड़े गए हैं।

महिलाओं को आर्थिक उन्नति के बारे में दी गई जानकारी

राजकीय महाविद्यालय पचमोहनी खेसरहा में आयोजित हुआ वेबिनार

संवाद न्यूज एजेंसी

बांसी। राजकीय महाविद्यालय पचमोहनी खेसरहा में मिशन शक्ति तृतीय चरण के तहत शनिवार को वेबिनार का आयोजन कर महिला उद्यमिता विषय पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की डॉ. नीता ने कहा कि महिला का योगदान केवल सामाजिक या पारिवारिक दायरे तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि आर्थिक आत्म निर्भरता आज के परिवेश में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लखनऊ उच्च न्यायालय की अधिवक्ता डॉ. नुसरत ने कहा कि महिला उद्यमिता से आगे रोजगार सृजन अत्यंत तेजी से बढ़ेगा। ग्रामीण और शहरी विभाजन को केवल महिला उद्यमिता के उचित अवसर को प्रदान करके समाप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर प्रियंका गौड़ ने बताया कि उद्यमिता के प्रशिक्षण को देश के कोने-कोने में फैलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समानता की सुलभता हो। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. महेंद्र प्रकाश ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कर कहा कि यदि उद्यम प्रबंधन को सफल बनाना है तो महिला भागीदारी को बढ़ाना पड़ेगा। वेबिनार में महाविद्यालय के प्राध्यापक दिलीप कुमार, डॉ. अरविंद, डॉ. डीबी सिंह, संतोष सहित कई छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया।

मिशन शक्ति के तहत आयोजित किया गया कार्यक्रम

महिला आरक्षियों ने बताया महिलाओं का अधिकार

प्राथमिक विद्यालय पकड़ी पठान में आयोजित किया गया कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

इटवा। महिला सशक्तीकरण व महिलाओं की सुरक्षा व जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को प्राथमिक विद्यालय पकड़ी पठान में आयोजित कार्यक्रम में त्रिलोकपुर की महिला आरक्षियों ने महिलाओं को उनकी सुरक्षा के बारे में जानकारी दी।

महिला आरक्षी उर्मिला और आरक्षी सुजाता राव ने डोकम अमया तथा पकड़ी पठान गांव में महिलाओं की आयोजित जागरूकता बैठक में उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए सरकार की ओर से किए गए उपायों की जानकारी दी। महिलाओं को जागरूक किया गया। इस मौके पर महिलाओं व बच्चियों को महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर 1090 वुमन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाइल्ड लाइन के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर दोनों गांवों में महिलाएं मौजूद रहीं।

सिविवि के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

यूथ इण्डिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। महिला अध्ययन केंद्र सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु द्वारा पलटा देवी मंदिर स्थित ग्राम मिठवल में महिलाओं के संवैधनिक एवं कानूनी अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ नीता यादव ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़कर देश और समाज का विकास सुगमता पूर्वक संभव है। महिलाओं की भागीदारी के लिए बहुत आवश्यक है कि वह अपने महत्व को स्वयं समझें तथा अपने संवैधानिक अधिकार और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत रहें। यदि महिलाओं का विकास होगा तो स्वाभाविक रूप से समाज और देश का भी विकास होगा। संविधान में महिलाओं को अनेक अधिकार प्राप्त है। अभी पिछले दिनों ग्राम पंचायतों के चुनाव में भी महिलाओं ने न केवल मतदान में बढ़-चढ़कर भागीदारी की है अपितु अनेक गांव सभाओं में महिलाओं के हाथ में प्रतिनिधित्व आया है। इसलिए बहुत आवश्यक है कि महिलाएं स्वयं आगे बढ़ कर अपने अपने गांव अपने देश के विकास में सहभागी बने। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की डॉ सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि महिलायों की सुरक्षा और सम्मान के लिए शासन द्वारा अनेक व्यवस्थाएं बनाई गई है। डॉ रेनू त्रिपाठी डॉ जय सिंह यादव, डॉ सरिता सिंह सहित बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं उपस्थित रहीं।

Awareness Programme at Palta Devi Village

अशिक्षित महिलाओं को साक्षर बना रहा विवि

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने 10 गावों को लिया है गोद, फैल रहा जागरूकता

संवाद न्यूज एजेंसी

सिद्धार्थनगर। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु अब आसपास के 10 गांवों को गोद लेते हुए महिलाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। आधी आबादी को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करने के साथ ही अशिक्षित महिला को पढ़ाने की दिशा में योगदान दे रहा है। गांवों में पहुंचकर विवि की टीम शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य बिंदुओं पर जागरूक कर रही है।

भगवान बुद्ध की जन्मस्थली कपिलवस्तु में स्थापित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पड़ोसी मुल्क नेपाल के छात्रों के साथ ही छह जनपदों में उच्च शिक्षा की ज्योति जला रहा है। इस बीच विवि की महिला अध्ययन केंद्र की ओर से आसपास के 10 गांवों को गोद लेकर महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने के साथ ही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

बेहतर स्वास्थ्य रखने की दिशा में साफ-सफाई, जलभराव न होने देने, मुख्य मार्ग से गांव की सड़क को जोड़ने के लिए ग्राम प्रधानों को प्रेरित करने का कार्य किया जा रहा है। जिन 10 गांवों को गोद लिया गया है, उनमें शोहरतगढ़ ब्लॉक के पल्टादेवी के गांव मिठवल, बर्डपुर ब्लॉक के पिपरहवा, गनवरिया, बहोरवा, सेमरी, बसालतपुर, गायघाट, पिपरसन, देवियापुर, मगरहिया शामिल हैं।

सिद्धार्थ विवि से सटे एक गांव में बालिका से संवाद करती डॉ. नीता यादव। विज्ञप्ति

शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही टीम

इन गांवों में आर्थिक रूप से उच्च शिक्षा की पढ़ाई न करने वाली बालिकाओं को विवि में निशुल्क पढ़ाई के लिए प्रयास किया जा रहा है। बच्चियों के जन्म लेने पर उनके लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उचित चिकित्सीय परामर्श दिलाने का कार्य किया।

पर्यावरण संकट से निजात दिलाने के साथ ही कोरोना काल में ऑक्सीजन की जरूरतों में पौधों की महत्ता पर भी प्रकाश डाला जा रहा है। गांवों में पौधरोपण भी हो रहा है।

महिला प्रधानों से मुखर होने का आह्वान

इन गांवों की महिला ग्राम प्रधानों से टीम की महिला सदस्य व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें मुखर होने के लिए आगे आने का आह्वान कर रही हैं। परिजनों के सहारे न होकर स्वयं प्रधान के कार्य दायित्व को संभालने के लिए आगे आने की अपील भी।

टीम में सात सदस्य शामिल

सिद्धार्थ विवि के महिला अध्ययन केंद्र की ओर से गोद लिए गांवों में जागरूकता कार्यक्रम के लिए सात सदस्यीय टीम गठित की गई है। केंद्र की अध्यक्ष डॉ. नीता यादव को नोडल बनाया गया है। जबकि सदस्य के रूप में डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. जय सिंह, डॉ. रेनू त्रिपाठी, डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. मनीषा वाजपेयी, शेख अंजुम शामिल हैं।

विवि की महिला अध्ययन केंद्र की ओर से एक अभिनव पहल की जा रही है। अभी 10 गांवों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आने वाले समय में अन्य गांवों को भी गोद लिया जाएगा। -डॉ. नीता यादव, नोडल अधिकारी

Faculty with women of Palta Devi Village

महिला अधिकार | सिद्धार्थ विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

देश का विकास महिलाओं से ही संभव

वॉयस ऑफ शताब्दी

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के महिला अध्ययन केन्द्र की नोडल अधिकारी डॉ नीता यादव ने कहा कि महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़कर ही देश और समाज का विकास सुगमता पूर्वक संभव है।

डा यादव मंगलवार को शोहरतगढ़ क्षेत्र के पल्टादेवी मंदिर स्थित ग्राम मिठवल में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के लिए बहुत आवश्यक है कि वह अपने महत्व को समझें तथा अपने संवैधानिक अधिकार और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत रहें।

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति बहुत सचेत नहीं रहती। जिसका समाज को तो नुकसान होता ही है स्वयं महिलाओं को भी नुकसान उठाना पड़ता है। आधुनिक लोकतांत्रिक युग में महिलाओं की भागीदारी के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई गई हैं। अभी पिछले दिनों ग्राम पंचायतों के चुनाव में भी महिलाओं ने न केवल मतदान में बढ़-चढ़कर भागीदारी की है अपितु अनेक गांव सभाओं में महिलाओं के हाथ में प्रतिनिधित्व आया है।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की सदस्य डॉ सुनीता त्रिपाठी ने महिला हेल्प लाइन के फायदे से महिलाओं को अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान नेपाल सीमा पर स्थित इस गांव की एक बालिका को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही ग्राम प्रधान से पल्टादेवी मंदिर को भव्य और सुंदर बनाने का भी प्रस्ताव दिया गया।

इस अवसर पर अध्ययन केंद्र की डॉ.रेनू त्रिपाठी, डॉ.जय सिंह यादव, डॉ. सरिता सिंह सहित बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं उपस्थित रहीं। उक्त जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ.अविनाश प्रताप सिंह ने दी।

कपिलवस्तु परिक्षेत्र के पल्टादेवी में महिलाओं को जागरूक करती नोडल अधिकारी डॉ नीता यादव

Legal Aid Camp

Students at Siddharth University Campus

Legal Advice on different matters

'लोक अदालत से मिल रहा कमजोर तबके को न्याय'

सिद्धार्थ विवि में विधिक सहायता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, निराश्रित व अक्षम लोगों को विधिक रूप से साक्षर करने पर दिया गया जोर

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में मिशन शक्ति प्रकोष्ठ के विधिक सहायता जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते जिला विधिक प्राधिकरण सचिव चंद्रमणि जोशी। संवाद

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में मिशन शक्ति प्रकोष्ठ के विधिक सहायता जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित लोग। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में शुक्रवार को मिशन शक्ति प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विधिक सहायता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव चंद्रमणि जोशी ने कहा कि जागरूक नागरिक ही राष्ट्र की उन्नति और प्रगति का आधार होता है। निराश्रित, आर्थिक रूप से कमजोर व अक्षम लोगों को विधिक सहायता के अवसर की जानकारी होनी चाहिए।

राष्ट्रीय विधिक प्राधिकरण की देखरेख में पूरे देश में विधिक सहायता के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास किए गए हैं। ऐसे लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था की गई है। लोक अदालत के सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता जय शंकर मिश्रा ने कहा कि लोक अदालतों से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को न्याय मिल रहा है और उनकी समस्याओं का समाधान हो रहा है।

छोटे मामलों से न्यायालयों में मुकदमों का भार बढ़ता है। ऐसे में स्थायी लोक अदालत के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच बातचीत व मध्यस्ता के जरिए समस्या का त्वरित एवं स्थायी समाधान मिल जाता है। प्रो. हरीश शर्मा ने कहा लोगों का विधिक रूप से साक्षर होना बहुत जरूरी है। लोक अदालतों के माध्यम से समस्याओं का समाधान सुगमता पूर्वक हो जा रहा है। लोक अदालत के माध्यम से लोगों के घर तक न्याय पहुंच रहा है। मिशन शक्ति प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और छात्राओं में अधिकारों को लेकर जानकारी और जागरूकता का बढ़ाने का कार्य निरंतर किया जाता है।

उन्हें सामाजिक व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने की जरूरत है। कार्यक्रम में डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी, डॉ. हृदय कांत पांडेय, डॉ. अमित साहनी, डॉ. जय सिंह यादव, डॉ. शर्देंदु त्रिपाठी, डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. आभा द्विवेदी, डॉ. रेनू त्रिपाठी, डॉ. मनीषा बाजपेई, डॉ. अरविंद रावत, डॉ. कपिल गुप्ता. डॉ. हरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहें

- सिद्धार्थ विवि की ओर से मिथवल गांव में महिलाओं के अधिकारों पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम
- महिलाओं का विकास होगा तो स्वाभाविक रूप से समाज और देश का भी होगा विकास

जागरूकता

सिद्धार्थनगर | कार्यालय संवाददाता

सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु की महिला अध्ययन केंद्र की ओर से शोहरतगढ़ क्षेत्र के मिथवल गांव में महिलाओं के संवैधानिक व कानूनी अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की महिला अध्ययन केंद्र की ओर से मंगलवार को शोहरतगढ़ क्षेत्र के मिथवल गांव में महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने कहा है कि महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़कर देश और समाज का विकास सुगमता पूर्वक संभव है। महिलाओं की भागीदारी के लिए बहुत जरूरी है कि वह अपने महत्व को स्वयं समझें और अपने संवैधानिक व कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत रहें।

उन्होंने कहा कि जब महिलाओं का विकास होगा तो स्वाभाविक रूप से समाज और देश का भी विकास होगा। संविधान में महिलाओं को कई अधिकार मिले हैं। समय-समय पर भारतीय संसद और प्रशासन की ओर से महिला अधिकार को लेकर कई नियम परिनियम बनाए गए हैं। इसके प्रचार-प्रसार की भी व्यवस्था की गई है लेकिन महिलाओं में इसको लेकर अपेक्षित जागरूकता नहीं है विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति बहुत सचेत नहीं रहती।

इस अवसर पर डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. रेनू त्रिपाठी, डॉ. जय सिंह यादव, डॉ. सरिता सिंह मौजूद रहीं।

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण
(0551) 2580010 www.gidagkp.in
(0551) 2580020 ceogida-up@up.gov.in

Awareness Care for TB Patients

टीबी मुक्त भारत के लिए सभी का मिलकर कार्य करना जरूरी : आनंदीबेन पटेल

विश्व क्षय रोग दिवस पर आयोजित टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम में राज्यपाल ने आनलाइन किया प्रतिभाग

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्व क्षय रोग दिवस पर भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित टी.बी. मुक्त भारत कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजभवन से ऑनलाइन प्रतिभागिता की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्व में वर्ष 2030 तक क्षय रोग से मुक्ति का लक्ष्य रखा गया है, जबकि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 तक भारत को टी.बी. मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में आनंदीबेन पटेल ने मध्य प्रदेश में किए गए और उत्तर प्रदेश में जारी क्षय रोग उन्मूलन के अपने कार्य अनुभवों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि क्षय रोगी को दवा के साथ-साथ बेहतर पोषण की आवश्यकता भी होती है। सरकार 500 रुपये प्रतिमाह रोगी के लिए देती है, लेकिन जानकारी के अभाव में तथा अन्य पारिवारिक स्थितियों के कारण वह पूरा पैसा क्षय रोग ग्रस्त बच्चे अथवा मरीज के लिए व्यय न होकर परिवार के दूसरे बच्चों पर भी खर्च हो जाता है। ऐसी स्थिति में बच्चे को उचित पोषण उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने बच्चों के स्वस्थ होने तक गोद लेने का कार्य प्रारम्भ करवाया जिसके बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

By the inspiration of Hon’ble Madam Anandi Ben Patel , The aid to TB Patients was given and proper care was taken thereof.

Programme at Village school   Distribution of fruits to TB Patients

Distributing fruits and necessary items to TB Patients

Programme at Police line Siddharthnagar

करने हेत शासन को पूर्व प्रेषित स्नान घाट तथा झुरियागंज उपरोक्त के अतिरिक्त उपजिलाि कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन्स में हुआ वाद–विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पुलिसकर्मियों ने खुलकर अपने विचार रखे विजेताओं को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। रिजर्व पुलिस लाइन्स सिद्धार्थनगर के सभागार कक्ष में मानवाधिकार संरक्षण के प्रति पुलिस कर्मियों को जागरूक एवं संवेदनशील किये जाने के संबंध में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वाद–विवाद प्रतियोगिता का शीर्षक "21वीं सदी–पुलिस एवं मानवाधिकार" रहा। प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागियों को वाद–विवाद हेतु पांच–पांच मिनट का बोलने का मौका दिया गया। जिसमें पुलिसकर्मियों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया। प्रतियोगिता में थाना शोहरतगढ़ के आरक्षी रिकेश तिवारी प्रथम रहे। दूसरे स्थान पर थाना बांसी के मुख्य आरक्षी शैलेष सिंह व तीसरे स्थान पर थाना इटवा के आरक्षी आशुतोष धर दुबे रहे। चतुर्थ स्थान पर थाना भवानीगंज के आरक्षी संदीप कुमार यादव रहे। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका नीता यादव, प्रोफेसर सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी कपिलवस्तु व सौरभ श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी रहे। साथ विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अनित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर, अखिलेश वर्मा पुलिस उपाधीक्षक सदर, भूतनाथ गुप्ता, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन्स सिद्धार्थनगर, चन्दन कुमार, पी0आर0ओ0 पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर व प्रतियोगिता का संचालन आरक्षी दिलीप कुमार द्विवेदी ने किया अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

Programme at Police lines

Students participation in extension activities.

Rangoli Competition

Tree Plantation

स्वस्थ्य जीवन के लिए पौधरोपण जरूरी

कपिलवस्तु (एसएनबी)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने तथागत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में औषधीय एवं पौराणिक पौधा का रोपण किया।

इस अवसर पर कुलसचिव राकेश कुमार वित्त अधिकारी अजय सोनकर सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर हरीश शर्मा, सुआक्टा अध्यक्ष डा. पुर्णेश नारायण सिंह एवं तथागत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डा. अखिलेश दीक्षित सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विदित हो कि सिद्धार्थ विश्व विद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में निरंतर पौधारोपण कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को एक बार फिर विश्विद्यालय परिसर स्थित तथागत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में पीपल अशोक नीम सहित अनेक औषधीय पौधों का रोपण किया गया। शासन के निर्देशानुसार और विश्वविद्यालय की योजना अनुसार पर्यावरण को शुद्ध करने में पौधों की महत्ता को देखते हुए और विशेष रूप से कोरोना जैसे महामारी से निपटने में आक्सीजन की उपलब्धता के दृष्टिगत पौधारोपण का कार्यक्रम का महाअभियान निरंतर जारी है।

अन्य जगहों पर परिसर में भी आगे पौधे लगाने की योजना कुलपति के निर्देशानुसार बनाई जा रही है। उक्त जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने दी।

पौधारोपण करते कुलपति प्रो. हरिबहादुर श्रीवास्तव। फोटो : एसएनबी

Plantation by Guests, Faculty and Staff at newly constructed Campus area

पृथ्वी दिवस पर सेमिनार आयोजित

सिविवि

कपिलवस्तु (एसएनबी)। सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी के एनसीसी कैडेट्स द्वारा शुक्रवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर सेमिनार का आयोजन

पौधे को पानी देते एनसीसी कैड्ेटस। फोटो : एसएनबी

किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कला संकाय के डीन प्रो. हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार माँ के द्वारा हमारा पालन होता है, उसी प्रकार पृथ्वी से भी हमारा पालन होता है। इसीलिए हम उसे माँ की संज्ञा देते है और हम जब इसकी रक्षा करेंगे, तब हमारी ही नही बल्कि आने वाली जेनरेशन की भी रक्षा होगी। सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी के चिकित्सक डा. अरुण द्विवेदी ने पृथ्वी दिवस के महत्व को

छरण मानव जीवन में कई प्रकार की बीमारियां का कारण बनता है। कार्यक्रम का संचलन एनसीसी के केयर टेकर अफिसर डा. प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी ने किया। पृथ्वी दिवस के अवसर पर कैडेट्स द्वारा युनिवर्सिटी कैंपस की साफ सफाई की गई तथा पेड़ों को पानी दिया गया। इस अवसर डा. अरविंद रावत व डा. यशवंत यादव और कैडेट कृष्णा प्रसाद, कैडेट करन कुमार, कैडेट रीमा चौधरी, कैडेट पूजा जायसवाल, कैडेट सीमा चौधरी व अजय सिंह आदि मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डा. जय सिंह

Health Centre Opened

Opening of Health Centre at Siddharth University kapilvastu

Address by Hon’ble VC Sir

Vaccination Camp

Heritage Walk

Siddharth University has adopted 10 Villages and rendering their services to the community under village adoption programme. Apart from this the National Service Scheme (NSS) and National Cadet Corps (NCC) also serve the society through one day camps, Cleanliness task and so on. In addition outreach programmes and invited lectures are also given to the community.

Through extension and Outreach programmes we sensitize the students to develop social values, widespread their responsibilities and knowledge on social issues and problems by making them involve with the community people.

Bhumi Pujan for Central Library 2023

अध्ययन विद्यार्थियों की दिनचर्या में हो शामिल

कपिलवस्तु। विश्व पुस्तक एवं कपीराइट दिवस के अवसर पर शनिवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के अटल बिहारी वाजपेयी केन्द्रीय ग्रन्थालय में पुस्तक अध्ययन अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक पुस्तक पढ़ने का अभ्यास किया तथा यह संकल्प लिया कि वह प्रतिदिन कम से कम एक घण्टा किसी भी ज्ञानवर्द्धक पुस्तक का अध्ययन अवश्य करेंगे। पुस्तकों के अध्ययन, प्रकाशन एवं कपीराइट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए ग्रन्थालय प्रभारी डा. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक इन्सान के सबसे अच्छे और सच्चे मित्र होते हैं। आज के तकनीकी युग में छात्र-छात्राएं इन्टरनेट एवं गूगल के माध्यम से सूचनाएं प्राप्त करने में विश्वास करते हैं। किन्तु इससे उनके व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास सम्भव नहीं है। इसलिए बच्चों एवं युवकों को किताब पढ़ने की आदत शुरू से ही दिनचर्या में शामिल करनी चाहिए। लोक प्रशासन विभाग के सहायक आचार्य डा. रविकान्त शुक्ल ने कहा कि किताबें इतिहास का दर्पण एवं भविष्य का मार्गदर्शक होती हैं। जीवन को बेहतर बनाने के लिए पुस्तकों की शक्ति पहचानना होगा। डा. अरविंद कुमार रावत ने कहा कि पुस्तकों के अध्ययन से ज्ञान प्राप्ति के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामाजिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होता है। अंग्रेजी विभाग के डा. हृदयकान्त पाण्डेय ने कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट को विद्यार्थियों एवं पुस्तकों के बीच बढ़ती दूरी का कारण बताया। इस दूरी को समाप्त करने के लिए ही वर्ष 1995 में यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इसी के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। राजनीति विज्ञान की डा. सरिता सिंह ने कहा कि यह पुस्तकों को पढ़ने के लिए विश्व स्तर का उत्सव है। इसे अत्यन्त उत्साह से मनाया जाना चाहिए। इतिहास विभाग के डा. यशवन्त यादव ने कहा कि पुस्तकें विरासत की अमूल्य सम्पत्ति, ज्ञान का भण्डार, संवाद की शक्ति तथा सम्पन्नता का स्रोत हैं। अंग्रेजी विभाग के डा. अमित साहनी ने बताया कि 'इन्हेन्स बुक रीडिंग हैबिट्स' के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहें। ग्रन्थालय सहायक अजीत सिंह तथा अश्विनी ने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया।

रेणु की रचनाएं सामाजिक मूल्यों को करतीं हैं स्थापित

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक हुए शामिल

- फणीश्वरनाथ रेणु की साहित्य पर साहित्यकारों ने रखे विचार
- आज संगोष्ठी के छठवें सत्र में होगा कार्यक्रम का समापन

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि फणीश्वरनाथ रेणु की रचनाएं सामाजिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को प्रतिस्थापित करने का कार्य किया। रेणु का शब्द संयोजन उच्चकोटि का है। गांव-समाज की भाषा के शब्दों को साहित्यिक ऊंचाई प्रदान करते हुए वह आमजन के हृदय में बसने वाले रचनाकार हैं। उन्होंने साहित्य लेखन में कभी किसी का अनुकरण नहीं किया। मैला आंचल प्रकाशित हुई तो साहित्यकारों ने सम्मान दिया। वह छोटी सी बात को बड़ा स्वरूप देने वाले रचनाकार हैं। रेणु के साहित्य में परिवेश की प्रधानता है। समाज और लोक की दृष्टि से अपनी रचनाएं लिखी। संतोष के सहारे जीवनयापन करने वाले वर्ग विशेष का चित्रण किया है।

उन्होंने यह बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हिंदी संस्थान व हिंदी विभाग के संयुक्त रूप से आयोजित फणीश्वरनाथ रेणु और उनका साहित्य विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कही। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहा कि समय के साथ फणीश्वरनाथ रेणु की दृष्टि और विचार मूल्यवाची होते जा रहे हैं। सामाजिक जीवन को पहचानने और पुरजोर ढंग से अभिव्यक्ति के कारण ही रेणु जैसे साहित्यकारों की रचनाएं वर्तमान में अत्यंत प्रासंगिक हैं। इसी कारण से वह विशिष्ट साहित्यकार की श्रेणी में हैं। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार शर्मा ने फणीश्वरनाथ बहुआयामी व्यक्तित्व

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो.सदानंद प्रसाद गुप्ता • जागरण

एवं कृतित्व के धनी रहे। उन्होंने सांस्कृतिक जीवन पर राजनैतिक जीवन की प्रति छाया नहीं पड़ने दी। वह प्रेमचंद की परंपरा के उत्तराधिकारी व यथार्थवादी लेखक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के निदेशक पवन कुमार ने कहा वह ऐसे रचनाकार हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। आंचलिकता जैसी एक नई शैली को जन्म दिया, वह हर वर्ग के लेखक हैं। उन्हें सुना भी जाता है और गुना भी जाता है। कुलसचिव राकेश कुमार ने संचालन किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना व कुलगीत प्रस्तुत किया। डा. सत्येंद्र दुबे, डा. रेणु त्रिपाठी, डा. जयसिंह यादव, डा. नीता यादव, डा. सुनीता त्रिपाठी, डा. धर्मेंद्र वर्मा, डा. कपिल गुप्ता, डा. सच्चिदानंद चौबे, डा. आभा द्विवेदी, डा. विमल वर्मा, डा. अरविंद रावत, डा. देवबख्श सिंह, डा. नीरज सिंह, डा. अमित साहनी, डा. वंदना गुप्ता, डा. अजीत कुमार पुरी, अलीगढ़ के प्रो. मधुसूदन, डा. सत्यप्रकाश पाल, छपरा विवि के प्रो. सिद्धार्थ शंकर सिंह, प्रो. अजय कुमार, डा. विजयानंद मिश्रा, डा. राम पांडेय, डा. अविनाश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

डॉ० एपी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय
उत्तर प्रदेश, लखनऊ
विज्ञापन संख्याः ... /2022/130 दिनांक: 22.04.2022
सेवायोजन सूचना
डॉ० एपी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में परीक्षा नियंत्रक, अपर परीक्षा नियंत्रक, संयुक्त परीक्षा नियंत्रक एवं उप परीक्षा नियंत्रक के रिक्त पदों पर सेवा स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। शैक्षिक योग्यता संबंधी विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.aktu.ac.in पर

रेणु की रचनाओं में लोकजीवन, राष्ट्रवाद व आदर्शवाद की झलक : प्रो. सुरेंद्र दूबे

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते व मौजूद अतिथि व अन्य।

फोटो : एसएनबी

कपिलवस्तु (एसएनबी)। हिंदी विभाग के तत्वावधान में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में (फणीश्वर नाथ रेणु और उनका साहित्य) विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुरेंद्र दुबे ने फणीश्वर नाथ रेणु एवं उनके साहित्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर कहा कि मेरा यह सपना था कि उक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी मेरे ही कार्यकाल में संपन्न हो किंतु 2020 से प्रस्तावित यह संगोष्ठी कोरोना संक्रमण कि अतितीवता के कारण स्थगित होती चली गई अंततः मेरे कार्यकाल के समाप्त होने पर आज संपन्न हुई। फणीश्वर नाथ रेणु ने अपनी साहित्यिक रचनाओं को सन 1930 से 1936 के बीच आदर्शवादी लेखक की उपाधि को प्राप्त कर चुके थे, जिन्होंने भारतीय समाज का यथार्थ चित्रण प्रस्तुत किया था। ठेस कहानी के नायक का जो स्वाभिमान है वह भारतीय समाज के आदर्शों को प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि रेनू जी की शैक्षणिक यात्रा केपी कोइराला द्वारा नेपाल में स्थापित विद्यालय से प्रारंभ हुआ। भारतीय चित्र भारतीय गौरव भारत माता का गान गरीबी और जहालत से जूझ रहा गांव इनकी हर कहानियों में देखने को मिलता है। (वट बाबा) में फणीश्वर नाथ रेणु की

फणीश्वर नाथ रेणु और उनका साहित्य विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

लोकजीवन, संस्कृति, राष्ट्रवाद और आदर्शवाद की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती। स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व भारतीय सांस्कृतिक परिवर्तन को उन्होंने अपनी रचनाओं में बिखेरा है। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर नंदकिशोर ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रेनू जी के साथ साथ पूरी युवा पीढ़ी उस समय लिख रही थी। लेखन कला इनमें बाल्यकाल से ही झलक रही थी। 32 33 वर्ष की आयु में इन्होंने राजनीति से दूरी बना कर पुनः लेखन कार्य प्रारंभ कर दिया। अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर हरीश कुमार शर्मा ने फणीश्वर नाथ रेणु की साहित्य और रचनाओं की आधुनिक समाज हेतु प्रासंगिकता बतलाते हुए इस संगोष्ठी में आये हुए अतिथियों और देश के समस्त राज्यों से आए हुए हिंदी भाषा के विद्वानों एवं शोधार्थियों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। सहयुक्त अचार्य डाक्टर सत्येंद्र कुमार दुबे ने संगोष्ठी सारांश को प्रस्तुत किया। मंच संचालन सहायक आचार्य डाक्टर जय सिंह यादव ने किया।इसके पूर्व एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डा. अखिल कुमार मिश्र दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर तथा अध्यक्षता प्रोफेसर प्रत्यूष दुबे हिंदी विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं तकनीकी सत्र का संचालन डा. विश्वजीत कुमार मिश्र राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय एटानगर ने किया। लगभग 10 शोध पत्रों का आफलाइन एवं आनलाइन वाचन सदस्यों द्वारा किया गया।

Siddharth University Kapilvastu